श्री महावीरजी : टूटती परम्परायें

धर्म पर धनबल हावी, जिम्मेदार कौन?

सान्ध्य महालक्ष्मी भाग्योदय
साप्ताहिक
लाइसेंस पोस्ट DL (E) - 20/5119/2021-23
वर्ष 29 अंक 27 दिल्ली (पृष्ठ 8)
09 - 15 दिसंबर 2022 मूल्य ₹5

शरद जैन / सान्ध्य महालक्ष्मी / 09 दिसंबर 2022

31 जनवरी 1998 की तरह इस बार भी मूर्तिपूजक श्वेताम्बर समाज अदालत पहुंच गया और मंदिर कमेटी द्वारा अदालत में अंडरटेकिंग देने के बाद ही याचिका निरस्त हुई थी कि 100 एमएल वाले कलशों से ही अभिषेक और मंदिर परिसर में किसी नई मूर्ति की स्थापना नहीं। इसीलिये चौबीसी और खड्गासन श्री महावीर स्वामी की प्रतिमायें कीर्ति स्तम्भ के पास विराजमान की गई।

एक सवाल चिंतन में आता है कि धन के बल पर धर्म किया जा सकता है? हां, आप सभी का जवाब होगा कि 'कदापि नहीं'। क्या धन के बल पर ही पुण्य कमाया जा सकता है? यहां भी यही कहेंगे कि 'कदापि नहीं'। धर्म भावनाओं को देखता है, पेटी को नहीं, नोटों की गड्डी को नहीं, 'भावनाओं' को ही सर्वोपरि माना गया है, वह अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, महिला-पुरुष का, जैन-अजैन तक का भेद नहीं करता, तभी सभी तीर्थंकर क्षत्रिय और सभी गणधर ब्राह्मण हुये। हां, आज धर्म में धन की आवश्यकता होती है, पर ऐसा नहीं कि धर्म को खड़ा करने के लिये धन की बैसाखियां ही केवल कारगर बने। हां, तीर्थ के निर्माण में धनाढ्य लोगों को अब वरीयता का समय आ गया है, पर आम जनों को नकारना जैन संस्कृति कभी नहीं सिखाती।

इस बार 80 हजार या उससे ऊपर राशि के कलश लेने वालों को मंदिर में प्रवेश मिला और शाम के बाद अन्य श्रावकों को यानि जिन्होंने इतने ऊंचे मूल्य के कलश नहीं लिये, उन्हें अभिषेक देखना तो दूर, मंदिर में एंट्री तक नहीं मिली। कुछ भक्तों ने तो 'सान्ध्य महालक्ष्मी' से यह तक शिकायत की, कि उनकी आंखों के सामने एक मुनिराज और आर्यिका तक को प्रवेश नहीं दिया, वैसे कमेटी इस बात से इंकार करती है। कमेटी का दावा है कि मंदिर परिसर में व्यवस्थाओं के चलते अन्य का प्रवेश बंद करना पड़ा, पर दूसरी तरफ यह स्पष्ट लगा कि अब धर्म भी धन की बैसाखियों पर मानो चलने को मजबूर हो गया है, क्या इसी तरह पुण्य का अर्जन होगा?

यही नहीं, श्री महावीरजी के इस मंदिर में आज तक महिलाओं द्वारा अभिषेक की कोई परम्परा नहीं रही है। पर पैसे की आड़ में सभी परम्पराओं को ताक पर रख दिया गया। एक राष्ट्रीय स्तर के दैनिक अखबार 'पत्रिका' में अभिषेक करते हुए एक श्रावक को हाथ लगाती, कैमरे की ओर देखती महिला का फोटो कमेटी द्वारा ही छपवाया गया ... शेष पृष्ठ 4 पर

बड़ा सवाल : श्री महावीरजी जैन समाज का तीर्थ, तो क्यों केवल जयपुर कमेटी

आज चिंतन इस बात का भी है कि श्री महावीरजी, पूरे सकल जैन समाज का अति लोकप्रिय तीर्थ क्षेत्र है, तो क्यों इसे जयपुर का एक ट्रस्ट बनाकर परोसा जाता है। क्यों नहीं, स्थानीय क्षेत्रों जैसे करौली, हिण्डोन, गंगानगर आदि के श्रेष्ठीजन, दिल्ली-आगरा - अजमेर - अलवर आदि के श्रेष्ठियों को शामिल नहीं किया जाता? क्या यह केवल 'जयपुर' का ही ट्रस्ट है। यहां तक कि श्री महावीरजी में वर्षों से रहने वाले परिजनों को सदस्य तक नहीं बनाया गया, जबकि स्थानीय लोगों द्वारा ही तीर्थ की सुरक्षा-देखरेख संभव हो पाती है।

सप्तमुखी प्रतिमा - नहीं दिये सूरि मंत्र पर क्यों शोपीस भी?

शरद जैन / सान्ध्य महालक्ष्मी / 09 दिसंबर 2022

दुर्ग महापंचकल्याणक की शुरूआत से पहले ही नसियां जी में ऊपर रखी सप्तमुखी तीर्थंकर चन्द्रप्रभ प्रतिमा ने पूरे जैन समाज को हतप्रभ में डाल दिया। (चित्र सं.1) क्या इसको प्रतिष्ठित किया जाएगा? यह सवाल हर के मस्तक में घूम रहा था, यहां तक कि आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी के संघ में भी। कारण भी था, ठीक इसी प्रकार की एक प्रतिमा की इन्हीं आचार्य द्वारा दो वर्ष पहले बीसपंथी कोठी पंचकल्याणक में प्रतिष्ठित की गई थी। बाद में कमेटी ने विवाद बढ़ने की संभावना देखकर उसे वेदी की बजाए एक कांच के कवर वाली अलमारी में रख दिया था (चित्र सं. 2)।

वैसे ऐसे ही एक प्रतिमा लंदन म्यूजियम में विराजमान है, जिस पर 1935 संवत की प्रशस्ति लिखी हुई है, और उसे भट्टारक सुरेन्द्र कीर्ति (जिनके द्वारा अनेक जगह प्रतिमायें प्रतिष्ठित कराई गई) द्वारा सूरि मंत्र दिये गये थे। तब भी शायद यह प्रतिमा (चित्र सं. 3) समाज में स्वीकार्य नहीं हुई होगी, तभी लंदन के म्यूजियम में पहुंच गई। अनेक संतों और विद्वानों ने इसका पुरजोर विरोध करते हुए आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी से विनम्र अनुरोध किया कि यह आगम व परम्परा के विरुद्ध है। जैन धर्म में 5-7 मुखी प्रतिमायें नहीं होती। समोशरण में चारों ओर छवि दिखाने वाले तीर्थंकर की छवि वाली प्रतिमायें पूरे शरीर के साथ पदमासन / खड्गासन ही विराजित की जाती हैं।

शास्त्रि परिषद के अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जैन (बड़ौत) के अनुसार आगम के अनुरूप तो केवल एक ही मुख वाली प्रतिमायें पदमासन या खड्गासन में प्रतिष्ठित की जाती हैं। कुछ जगह समोशरण की छवि के रूप में मानस्तम्भ आदि में चारों दिशा में पूरे शरीर वाली प्रतिमायें विराजित की जाती हैं। **विद्वत परिषद** द्वारा भी आचार्य श्री से अपील की गई। श्रावकों की जिज्ञासाओं का इसी परिपेक्ष्य में निर्यापक श्रमण श्री सुधा सागरजी तथा मुनि श्री प्रमाण सागरजी ने भी आगम सम्मत खुलासा किया।

सान्ध्य महालक्ष्मी व चैनल महालक्ष्मी ने भी आचार्य श्री तक इस बात की अपील पहुंचाई तथा कमेटी द्वारा स्पष्ट किया गया कि पंचकल्याणक पत्रिका में ऐसी किसी प्रतिमा का उल्लेख नहीं है, इसलिये सप्तमुखी प्रतिमा के सूरि मंत्र दिये जाने का सवाल ही नहीं। इस बारे में किसी व्यक्ति ने जान बूझकर मनगढ़ंत हवा उड़ाई है।

खैर, प्रतिमा प्रतिष्ठित नहीं होगी, पर शो पीस के रूप में भी इस तरह की प्रतिमा क्यों रखी जाये? आज आगम व परम्पराओं के विपरीत प्रतिमायें तैयार करवाई जाने लगी हैं, जो निश्चय ही सही नहीं है।

बिना कान की सातमुख व एक धड़ के साथ प्रतिमा कल अन्य सम्प्रदाय को कब्जा लेने को आकर्षित करेगी, क्योंकि इस तरह की मूर्तियां वैष्णव धर्म में होती हैं, पर जैन धर्म में कदापि नहीं।

सभी वंदनीय संतों, विद्वानों व प्रबुद्ध श्रेष्ठीगणों से सान्ध्य महालक्ष्मी पुरजोर अपील करता है कि आगम व परम्पराओं के विरुद्ध कोई कार्य नहीं करना चाहिये। आगम के विरुद्ध कार्य करना या परम्पराएं तोड़ना जैन धर्म, संस्कृति का निरादर व अवर्णवाद ही होगा।

ऑन लाइन / नकद / चेक से सान्ध्य महालक्ष्मी के लिये सहयोग या सदस्यता राशि कोटक महिन्द्रा बैंक स्थित निम्न एकाउंट में जमा कर सकते हैं।
Name: Bahubali Expression Pvt. Ltd. A/c No.: 8511856161, IFSC Code: KKBK0004584, MICR Code: 110485071

गगन विहार जिनमंदिर का सपना हुआ साकार

प्रवीन कुमार जैन/ 09 दिसंबर 2022

यमुनापार दिगंबर जैन समाज में एक और मंदिर 29 नवंबर 2022 को जुड़ गया जब श्री 1008 वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर, गगन विहार, दिल्ली के पंचकल्याणक प.पू. गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी महाराज के परम शिष्य प.पू. राष्ट्रसंत मुनि श्री 108 विहर्ष सागरजी संसघ के पावन सान्निध्य एवं मुनि श्री 108 विजयेश सागरजी के मंगल निर्देशन में 24 से 29 नवंबर 2022 तक सम्पन्न हुए। संख्या में छोटी पर जिनमंदिर बनाने में संकल्पबद्ध समाज ने बहुत ही सुनियोजित ढंग से यहां मंदिर का निर्माण किया और भक्ति के वातावरण में पंचकल्याणक सम्पन्न कराकर जिनबिम्ब स्थापित किये। गगन विहार व आसपास की कालोनियों में मात्र 50-60 जैन परिवार ही रहते हैं। मात्र 55 गज में भव्य व आकर्षक मंदिर बनवाया गया है।

सन् 2012 में गगन विहार जैन समाज बिखरा हुआ था। उसी वर्ष भाई प्रदीप जैन 34 नं. गगन विहार में श्री अतिवीर जी मुनिराज (अब आचार्य हैं) का मंगल आगमन हुआ। भाई प्रदीप जी, श्रीमती ऊषा जैन, श्री दिनेश जैन महामंत्री के अथक प्रयासों से घर-घर जाकर गगन विहार क्षेत्र व आसपास की कॉलोनियों में स्वयं जाकर समाज को जोड़ा। श्री अतिवीर जी महाराज के परम सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन समाज, गगन विहार की स्थापना हुई और प्रथम कार्यकारिणी चुनी गई जिसमें श्री सुरेश जैन (प्रधान), श्री अनिल जैन (उपप्रधान), श्री दिनेश जैन जितार नगर (महामंत्री) व श्री प्रदीप जैन (कोषाध्यक्ष) तथा अन्य 15 कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। श्री सुरेश जैन के निर्देशन और दिनेश जैन के नेतृत्व में मंदिर जी के बनने की प्रक्रिया आरंभ हुई।

वर्ष 2018 में परम पूज्य श्रमण मुनि श्री विहर्ष सागर जी ससंघ का अगमन गगन विहार क्षेत्र में हुआ और महाराज जी ने गगन विहार समाज को अपना विशेष आशीर्वाद दिया कि यहां पर एक जिन मंदिर जरूर बनेगा। तत्पश्चात् अनिल जैन (प्रधान) जी के निर्देशन और दिनेश जैन (महामंत्री) के नेतृत्व में कार्य आगे बढ़ने लगा लेकिन कोरोना ने सन् 2020 और जुलाई 2021 तक सभी कार्यों पर विराम सा लगा दिया, उसके बाद तेजी से काम शुरू हुआ और आज मंदिर बनकर खड़ा हो गया है। गगन विहार जैन समाज ऐसी सामाजिक रचना चाहता है कि समाज में सभी वर्ग आपस में सौहार्द और प्रेमपूर्वक श्री जिनदेव के प्रतिदिन दर्शन करें। मंदिर के निर्माण में प्रीत विहार, निर्माण विहार की समाज के साथ महिला मंडल व युवा मंडल गगन विहार का विशेष सहयोग रहा।

मोक्ष कल्याणक (29 नवंबर) के पश्चात् जब मूर्ति प्रदाता सिर पर प्रतिष्ठित बिम्बों को रखकर समाज के साथ मंदिर ले जा रहे थे, तो सभी के चेहरों पर खुशी थी और गजब का उत्साह था। जयकारों के बीच जिनबिम्बों की स्थापना हुई।

प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रमुख पात्र **ध्वजारोहणकर्ता** श्री राकेश श्रीमती संतोष जैन प्रीत विहार (लोट्स वाले), **माता-पिता** श्री भागचंद जैन श्रीमती कोमल जैन (द्वारका), **सौधर्म इन्द्र** श्री आशीष श्रीमती टीना जैन (गगन विहार), **कुबेर इन्द्र** श्री सुनील श्रीमती अनिता जैन (जगतपुरी), **महायज्ञनायक** श्री अनिल श्रीमती सारिका जैन (गगन विहार) तथा **यज्ञनायक** श्री निखिल श्रीमती स्वीटी जैन (जितार नगर), **ईशान इन्द्र** श्री दीपक श्रीमती नेहा जैन (गगन विहार), **सानत इन्द्र** श्री कमल श्रीमती कल्पना जैन (इंदिरापुरम), **महेन्द्र** श्री राहुल श्रीमती प्रीति जैन (गुरुग्राम), **ब्रह्मेन्द्र** श्री सुलभ श्रीमती बरखा जैन (द्वारका), **बह्मोत्तर** श्री निर्मल श्रीमती मृदुला जैन (जगतपुरी), **लातवेन्द्र इन्द्र** श्री नितिन श्रीमती प्रीति जैन (जितार नगर), **कापिष्ठ** श्री नरेशचंद श्रीमती दर्शनमाला जैन (राधेपुरी), **शुक्र इन्द्र** श्री विजेन्द्र श्रीमती सविता जैन (गोविन्दपुरा), **महाशुक्र इन्द्र** श्री अरुण श्रीमती मधु जैन (गगन विहार), **शतार इन्द्र** श्री प्रवीण श्रीमती रजनी जैन (जगतपुरी), **सहस्त्रार इन्द्र** श्री अभिषेक श्रीमती दीप्ति

गगन विहार जैन मंदिर में पहली मंजिल पर मूलनायक श्री 1008 वासुपूज्य भगवान (इस वेदी में 3 पाषाण एवं 4 अष्टधातु की प्रतिमाएं तथा दूसरी मंजिल पर वेदी में मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ का जिनबिंब है। इस वेदी में कुल 9 प्रतिमाएं हैं एक पाषाण तथा 8 धातु की।

प्रथम दिवस : घटयात्रा, पांडाल प्रवेश, ध्वजारोहण, गुरु आज्ञा

द्वितीय दिवस : गर्भकल्याणक, माता अष्टकुमारियों संग, इन्द्र-इन्द्राणियां नृत्य करते हुए

चौथा-पांचवा दिवस : तप कल्याणक एवं ज्ञान कल्याणक दिवस

सान्ध्य महालक्ष्मी की मंदिरों के लिये सदस्यता रु. 7200 (वार्षिक) या रुपये 600 प्रति माह।
दिल्ली में 15 तथा दिल्ली से बाहर 10 प्रतिया हर सप्ताह भेजी जाएंगी - सम्पर्क करें: 9910690825

अंतिम दिवस : मोक्ष कल्याणक - जिनबिम्ब स्थापना - प्रतिष्ठाचार्य, दीदियों व अन्य सम्मान

गगन विहार जैन समाज कार्यकारिणी जिनमंदिर निर्माण में सभी सहयोगियों की हृदय से अभिनंदन करती है।

पृष्ठ 2 का शेष

जैन (गगन विहार), **आणत इन्द्र** श्री रवि श्रीमती इंदु जैन (सुख विहार), **प्राणत** श्री पकंज श्रीमती श्वेता जैन (गगन विहार), **अच्युत** श्री शरद श्रीमती सरिता जैन (गगन विहार), **आरणेन्द्र** श्री प्रदीप श्रीमती सुषमा जैन (गगन विहार), **राजा श्रेयांस** श्री सुरेश श्रीमती सरिता जैन (गगन विहार), **राजा सोम** श्री अरिहंत श्रीमती नीतू जैन (गगन विहार), ऋषभ कुमार श्री आदित्य श्रीमती निधि जैन (गगन विहार), **स्वर्ण सौभाग्यवती** श्रीमती रेणुका जैन, **अखंड सौभाग्यवती** श्रीमती जूही जैन, **बुआ** श्रीमली अल्का जैन, रूबि जैन एवं अनिता जैन, **महाआरती कर्ता परिवार** श्री योगेश श्रीमती शोभा जैन ◦ श्री प्रद्युम्न श्रीमती कविता जैन एवं श्रीमती नीलम -नैंसी जैन, लौकान्दिक देव मा. अर्णव जैन एवं पार्थ जैन, **अष्ट कुमारियां** कु. आशी, भव्या, श्रेया(संजुला जैन), मुस्कान, श्रेया जैन आदि पात्र बन कर पुण्यार्जन किया।

महोत्सव में केंद्रीय मंत्री दुष्यंत गौतम, विधायक ओमप्रकाश, पूर्व मेयर निर्मल जैन, डा. श्रेयांस जैन बड़ौत, रमेश चंद्र जैन एडवोकेट नवभारत टाइम्स, प्रदुम्न जैन धारुहेडा, बीजेपी प्रवक्ता सारिका जैन, शरद जैन चैनल महालक्ष्मी आदि गणमान्य व्यक्तियों ने शामिल होकर मुनिसंघ को भावभीनी विनयांजलि अर्पित की और क्षेत्र में भव्य मंदिर निर्माण पर हर्ष व्यक्त किया।

गगन विहार कार्यकारिणी में प्रधान अनिल जैन, उप प्रधान राकेश जैन एवं ओम प्रकाश जैन, महामंत्री दिनेश जैन, मंत्री प्रदीप जैन, कोषाध्यक्ष राजेश जैन एवं समस्त कार्यकारिणी को इस महाकार्य के लिये मुनिसंघ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ तथा प्रत्येक 3 साल में नई कमेटी के गठन की अनुमोदना मुनिश्री के समक्ष की गई, जिससे समाज के प्रत्येक कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति को मंदिर विकास में कार्य करने का अवसर प्राप्त हो सके।

(श्री दिनेश जैन, महामंत्री दिगंबर जैन समाज, गगन विहार)

जैन बालाश्रम दरियागंज पंचकल्याणक

दरियागंज। 79 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बालाश्रम, दरियागंज, नई दिल्ली में 10 से 15 दिसंबर तक श्री 1008 श्री जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आचार्य श्री 108 प्रज्ञसागरजी मुनिराज ससंघ के पावन सान्निध्य में हो रहा है। प्रतिष्ठाचार्य पं. सनत कुमार जैन एवं पं. विनोद कुमार जैन रजवांस (म.प्र.) एवं संगीतकार पारस जैन अम्बर एंड पार्टी हैं। कार्यक्रम इस प्रकार है -

प्रतिदिन प्रातः 6.30 बजे से नित्य पूजन, क्रियाएं तथा आचार्य श्री के प्रवचन, दोपहर दरबार में कार्यक्रम तथा सायं 6 बजे से आरती, पंचकल्याणक क्रियाएं आदि।

10 दिसंबर गर्भ कल्याणक पूर्वरूप - दोपहर 1.30 बजे यागमंडल विधान। 11 दिसंबर गर्भकल्याणक उत्तर रूप- दोपहर 2 बजे सीमन्तनी क्रिया, 12 दिसंबर जन्म कल्याणक- दोप. 12.30 बजे से पाण्डुकशिला पर अभिषेक, रात्रि में पालना, बालक्रीड़ा, 13 दिसंबर तप कल्याणक - दोप. 1.30 बजे से महाराज नाभिराय दरबार आदि, रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 14 दिसंबर ज्ञान कल्याणक- महामुनि आदिनाथ जी की प्रथम आहार विधि, दोपहर 1.30 बजे सूरिमंत्र प्राण प्रतिष्ठा एवं आचार्य श्री के प्रवचन, सायं सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं आभार प्रदर्शन, 15 दिसंबर मोक्ष कल्याणक प्रातः 6.30 बजे कैलाश पर्वत पर ध्यानरूप मुद्रा में आदिनाथ दर्शन, प्रातः 7.30 बजे मोक्ष, आचार्य श्री के प्रवचन, देवस्थापन होगा।

सम्पर्क : 9312200794

युग प्रतिक्रमण 01 से 15 फरवरी : विरागोदय तीर्थ प्रभावना रथ का प्रवर्तन

सान्ध्य महालक्ष्मी / 09 दिसंबर 2022

पथरिया। बुन्देलखण्ड मध्य प्रदेश के दमोह जिला के पथरिया अंतर्गत विरागोदय तीर्थमहोत्सव, पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, यति सम्मेलन, युग प्रतिक्रमण 01 फरवरी से 15 फरवरी तक गणाचार्य विरागसागर जी महाराज सहित 350 साधुओं के सानिध्य में सम्पन्न होगा, जिसमें देश-विदेश से लाखों गुरुभक्त सम्मिलित होंगे। महामहोत्सव की प्रभावना एवं जन-जन को महामहोत्सव से जोड़ने के उद्देश्य को लेकर भारत के विभिन्न प्रांतों में पूज्य गणाचार्य भगवन संघस्थ श्रमण मुनि विवर्धनसागर जी की प्रेरणा से प्रभावना रथ का प्रवर्तन किया गया।

विरागोदय तीर्थ प्रभावना रथ के माध्यम से कर्नाटक प्रांत के हुमचा पद्मावती, मध्यप्रदेश के रतलाम एवं उत्तरप्रदेश के आगरा में भी महोत्सव से लोगों को जोड़ने का कार्यक्रम किया गया, जहाँ समाजजनों द्वारा रथ की आगवानी आकर्षित तरीके से की गई हैं। ज्ञात हो कि इस पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में 80-80 मंडपों पर 80-80 मुख्य पात्रों के माध्यम से सभी कार्यक्रम तथा सामाजिक कल्याण हेतु अनेक कार्यक्रम होंगे।

सरधना : शिखरबंद मंदिर
44 दिवसीय कल्याण मंदिर विधान प्रारंभ

सरधना। श्री दिगम्बर जैन मंदिर सरधना (मेरठ) में चतुर्थ 44 दिवसीय श्री कल्याण मन्दिर विधान 01 दिसंबर से प्रारंभ हो गया है, जो 14 जनवरी 2023 तक चलेगा। विधानाचार्य नितेश जैन शास्त्री हैं। पं. श्री संदीप जैन सजल ने बताया कि अर्घ्य समर्पण चांदी के मांडले पर हो रहा है। प्रतिदिन सायं 6 बजे आरती, शास्त्र सभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। 19 दिसंबर को मूलनायक भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। 31 दिसंबर को रात्रि महाआरती, भजन संध्या एवं श्रावक प्रतिक्रमण होगा। 14 जनवरी को विश्व शांति महायज्ञ एवं विसर्जन सम्पन्न होगा। विधान कराने की न्यौछावर राशि मात्र 1100 रुपये एक दिन की रखी गई है। विधान कराने के लिये संपर्क करें:- ***दीपक जैन 9319619041, कमल जैन - 9410452456***

मुक्तक

आचार्य श्री शांति सागरजी से, परम तपस्वी यदि संत पृथ्वी पर नहीं होते। यह भारत गारत बन जाता, यदि जैन मुनि यहां नहीं होते।।
संतों के तप के कारण ही इस पृथ्वी पर हरियाली है, इनके चरणों की धूलि भी तो, सुख को देने वाली है।।
इन महातपस्वी संतों के, चरणों से प्रेम हमारा है। आचार्य श्री शांति सागर महाराज आपको हाथ जोड़कर शत्-शत् नमन हमारा है।

- कवि हृदय मुनि भक्त मोहनलाल जैन (बावली वाले) ◦ श्रीमती स्नेहलता जैन दिल्ली

कवि हृदय प्रसिद्ध मुनि भक्त मोहनलाल जैन (बावली वाले) के जन्म दिन पर दिया अनेकों आचार्यों, उपाध्यायों, मुनिराजों और आर्यिका माताओं ने अपना विशेष आशीर्वाद। मुनिभक्त मोहनलाल जैन रामनगर जैन समाज, मानसरोवर जैन समाज, णमोकार समिति राम नगर के संरक्षक हैं। सौरभ सागर सेवा संस्थान मुरादनगर के विशिष्ट सदस्य हैं। जैन एकता मंच दिल्ली प्रदेश के सचिव हैं। अ.भा. दि. जैन परिषद दिल्ली प्रदेश के सदस्य हैं, सौरभ सागर तीर्थ यात्रा समिति के अध्यक्ष हैं। आपकी सभी आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी के श्री चरणों में अपार श्रद्धा भक्ति हैं। आप अपने जीवन के 71 वर्ष पूर्ण करके 72वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती स्नेहलता जैन भी बहुत ज्यादा धर्म ध्यान और साधु संतों की परम भक्त है। रामनगर महिला मंडल की संरक्षिका हैं। आप दोनों महीने में 3 दिन चांदनपुर वाले बाबा के दर्शन करने के लिए जाते हैं। आपने बोधप्रद काव्य लिखा है, जिसकी 12 हजार प्रति छप चुकी हैं। उसमें बहुत ही ज्ञानवर्धक मुक्तक, भजन, दृष्टांत हैं। ऐसे मुनिभक्त श्री मोहनलाल जैन के 72वें जन्मदिवस पर सान्ध्य महालक्ष्मी परिवार उन्हें बहुत-बहुत साधुवाद देता है।

Mahalaxmi Creations_9.12

सान्ध्य महालक्ष्मी में 'कार्यक्रम कवरेज' के लिये संपर्क करें : 9910690825

धर्म बचाओ, तीर्थ बचाओ

सिर झुकाओगे, तो पत्थर भी देवता हो जाएगा। मत दो इतना कि वह बेवफा हो जाएगा। तुम सब तो दरिया हो, तुम सबको अपना-अपना हुनर मालूम है। एक बार दिल से मिलकर कदम तो बढ़ाओ, मानो सम्मेद शिखर तुम्हारा हो जाएगा। मुनि श्री विहर्ष सागरजी के ये शब्द आज हर जैनी के दिल में गूंजने चाहिए। उन्होंने कहा जब-जब समाज पर कोई विपदा आती है, तब-तब संत आकर उनमें प्राण फूंकते हैं। हमें सुविधाओं के लुभावने सपने दिखा सरकार बहकाना चाहती है। सुविधाओं के पीछे के कड़वे सत्य से हम दूर हैं। होटल बनेंगे, टूरिस्ट भी आएंगे, वहां मुर्गीपालन - मछलीपालन सभी कुछ होगा, सरकार की मंशा स्पष्ट हो चुकी है। अब जूते-चप्पल, शराब-शबाब सब वहां होने लगेगा। जब गाड़ियां ऊपर भी चलने लगेंगी तो हमारी टोंके ही ध्वस्त हो जाएंगी। यह पीड़ा है जैन समाज की, जिसके लिये हमें एकसाथ खड़े होकर अपनी आवाज उठानी होगी। जैन धर्म को जागना होगा। शिखरजी के गीत सुने होंगे, धर्म बचाओ, तीर्थ बचाओ - यही हमारा नारा हो। हमें 5 हजार नहीं 50 हजार - 1 लाख जैनों को इकट्ठा होना होगा। हर व्यक्ति जो अपने आप को जैन कहता है, उसे प्रयास करना है कि वह 18 दिसंबर को लालमंदिर के सामने, लालकिला मैदान दिल्ली में आना है, संपूर्ण जैन एक दिन के लिये शिखरजी के लिये बैठना है, शांतिपूर्ण तरीके से बैठना है।

पर्वतराज को प्रतिमा की तरह पवित्र समझना होगा

डॉ. श्रेयांस जैन (बड़ौत) : एक बार बंदे जो कोई, नरक गति न होए। जिस धरा पर 20 तीर्थंकरों को मोक्ष हुआ, उसका कण-कण पावन है। पहले नग्न पैर जाते थे पर्वत पर और उस पर मल करना तो दूर, थूकता तक नहीं था, ऐसी श्रद्धा थी। केवल दिगंबर ही नहीं, श्वेतांबर में भी श्रद्धा थी। धीरे-धीरे श्रद्धा घटने लगी। जूते-चप्पल लेकर चढ़ने लगे, फिर भूख-प्यास सताने लगी। हमने स्थानीय लोगों को द्रव्य दिया और उन्होंने पर्वत पर दुकानें खोल दी। इसलिये पर्वत पर गंदगी फैलाने के सबसे बड़े दोषी हम हैं। हमें संकल्प लेना होगा कि हमें पर्वतराज को प्रतिमा की तरह पवित्र समझना होगा। इतिहास के ग्रंथ बताते हैं कि श्री सम्मेद शिखर शाश्वत तीर्थ है, पवित्र क्षेत्र है, यह नियम है कि वह जैन क्षेत्र है। यह जैन क्षेत्र था, है और रहेगा।

श्री सम्मेद शिखर क्षेत्र को सुंदरता नहीं पवित्रता चाहिए। सुविधा भोगी हमेशा नुकसान को प्राप्त करता है। हमारे जितने जैन क्षेत्र हैं, वहां बोर्ड लगाना चाहिये कि पूरे क्षेत्र में गंदगी नहीं होगी, शराब-मछली, नानवेज क्षेत्र में नहीं रहेगा। हमारे मुनिराजों को आह्वान करना चाहिए कि जो भी कमेटी नियुक्त हो, वह ऐसे बोर्ड लगा दे, तो तीर्थक्षेत्र पवित्र क्षेत्र रहेगा, कोई दुःसाहस नहीं करेगा।

18 दिसंबर 2022 को लालकिला कार्यक्रम में मुनिश्री विहर्ष सागरजी जैन दीक्षा भी दे रहे हैं। दिगम्बरत्व की प्रतिष्ठा केवल नाम ही नहीं, क्रियान्वित रूप में हो रहा है। सम्मेद शिखर महात्म हर मंदिर में लाईये, उसे पढ़िये। ये सम्मेदशिखर जी हमारे परदादा (पूर्वजों) की थी, वो क्यों नहीं लेते। दो भाइयों की लड़ाई में हमसे थोड़ी चूक हुई, सौ वर्ष पूर्व की असावधानी से हमें सीख लेनी चाहिए। 18 दिसंबर इतिहास में ऐसी तारीख आ रही है कि श्री सम्मेद शिखरजी हमारा तीर्थ है, हमारा ही रहेगा। पूरी जैन समाज को बड़ी संख्या में वहां एकत्रित होना है। हमारी संख्या 1 करोड़ से अधिक है, सरकारी आंकड़ों में यह संख्या 45 लाख इसलिये हैं, क्योंकि हम सभी अपने नाम में जैन नहीं लगाते। हम एक लाख की संख्या में इकट्ठे हो गये तो सरकार को हिलना होगा। अधिकार जिसका है, उसे अधिकार देना होगा। जैन समाज का अधिकार है, उसे ही देना होगा।

18 दिसंबर को लालकिला मैदान पर यह सिद्ध कर देंगे कि यह पवित्र क्षेत्र शाश्वत है और रहेगा। मुनि श्री विहर्ष सागरजी का आह्वान कभी कम नहीं रहेगा। मुनि विहर्ष सागर विजयेश सागर - दो मुनि जरूर है, लेकिन 200 के बराबर है। गुरुदेव विराग सागरजी, विशुद्ध सागरजी, विमर्श सागरजी सभी संघों को इस कार्य के लिये आशीर्वाद भेजा है। आचार्य श्री विद्यासागरजी ने भी कहा कि अपनी चीज को बचाने के लिये कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। जैनं जयतु शासनम्।

जैनत्व के लिये मैं हमेशा आगे खड़ा रहूंगा

श्री लोकेश मुनि : आज श्वेतांबर दिगंबर की बात नहीं, संपूर्ण जैन समाज की बात है। जैन समाज जो सबसे अधिक अहिंसक, कल्याणकारी समाज है, आज उसे एक होना होगा। आपका संबंध, जुड़ाव किसी भी संत से हो सकता है, लेकिन जैनत्व का सवाल आये तो हमें जैन धर्म के साथ खड़ा हो जाना चाहिये। हम एक आवाज पर क्यों नहीं इकट्ठे हो सकते। आज हमें राजनीतिक पार्टियां टिकट नहीं देती है, तो उसका कारण हमारे में एकता का न होना है। हम बलिदान तन - मन - धन से देते हैं, लेकिन जब हमारी समाज की एकता की बात आती है, तो क्यों वह चुप हो जाती है। मैं इस मंच से ऐलान करता हूं कि मैं जैनत्व ध्वज के लिये हमेशा आगे खड़ा रहूंगा। गुणदारियों को वंदन से समयक्त्व प्रबल होता है, मिथ्यात्व का नाश होता है। जैनत्व के लिये में 24 x 7 खड़ा हूं।

श्री महावीरजी : टूटती परम्परायें
धर्म पर धनबल हावी, जिम्मेदार कौन?

पृष्ठ 1 का शेष

(क्योंकि मंदिर परिसर में किसी कैमरामेन को भी जाने की इजाजत नहीं थी)। क्या दिखाना चाहती है कमेटी? आज पंथवाद-संतवाद में इतना बंटने के बाद भी परम्परायें तोड़ना, क्या संदेश देना चाहती है कमेटी। इसका स्पष्टकीरण जरूर देना चाहिये, क्या इस अतिशय तीर्थ पर परम्परायें तोड़ने का अधिकार कमेटी को दिया गया है?

यही नहीं, अंतिम दिन नई चौबीसी में तीर्थंकर कुंथुनाथ भगवान की प्रतिमा पर अनेकों महिलाओं ने आचार्य श्री वर्धमान सागरजी ससंघ के समक्ष अभिषेक किया। दिल्ली वालों को संभवतः इस बार वो उपस्थिति नहीं मिली, जैसे हमेशा मिलती आई है। कहा तो यहां तक जाता है कि चार तारीख को लगभग सौ लोगों को निःशुल्क अभिषेक कराया गया। पर वो सब आम श्रावक नहीं, जयपुर कमेटी के खासमखास लोग ही थे।

80,000 रुपये या अधिक का कलश लेने पर ही प्रवेश और अभिषेक, तथा महिलाओं द्वारा अभिषेक किये जाने के दृश्यों ने इस व्यवस्थित महामहोत्सव पर दो बड़े प्रश्नचिह्न लगाकर कमेटी के सामने दो ऐसे प्रश्न खड़े कर दिये हैं, जिसकी जवाबदेही तो बनती ही है।

ऐसे क्या कारण थे कि मोटी राशि देने वालों के अलावा, किसी अन्य के ठहरने की उचित अस्थायी व्यवस्थायें नहीं की गई, श्रवणबेलगोल, मांगीतुंगी तीर्थों में हमेशा ये व्यवस्थायें देखी गई हैं।

मिलकर आगे बढ़ो, सफलता मिलेगी

चक्रेश जैन (दिल्ली जैन समाज अध्यक्ष) : आज हमारी समाज का प्रभाव कम क्यों हो गया, जरा इसका चिंतन कीजिए। सरकार की हिम्मत क्यों हो जाती है, हमारे काम को न करने की? जरा सोचो। आप संकल्प लेकर आगे बढ़िये, सफलता मिलेगी। समाज की जिम्मेदारी मिलकर ही पूरी की जाती है।

समय आ गया है, अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना होगा

मनोज जैन (सहयोग दिल्ली अध्यक्ष) : हर व्यक्ति से आह्वान करता हूं कि हर व्यक्ति अपने में एक संस्था है। अब समय आ गया है हमें अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना है। हम लोगों को सरकार से बातचीत का रास्ता खोलना चाहिये। समस्त देश के जैनी पोस्टकार्ड लिखकर भेजेंगे कि 'शिखरजी जैनों का है' - मैं ऐसा आह्वान करता हूं।

मंच, माइक, माला छोड़कर कार्य करना होगा

हमें मैदान में उतर जाना चाहिये, अपने चेहरे सड़कों पर दिखा देने चाहिये

स्वदेश भूषण जैन (निदेशक, पंजाब केसरी) : खेद है कि जैन समाज वह समाज है जिनकी कथनी और करनी में बहुत फर्क है। यहां संगठन की बात करके, बाहर निकलते ही भाषा अलग-अलग हो जाती है। जिस क्षेत्र में चुनावों में जैन समाज को तिरस्कृत किया गया है, वहां क्या जैन समाज विरोध करता है? क्यों हम बहुत स्वार्थी हैं। गिरनार अगर गया, तो गुजरात के जैनों के स्वार्थ के कारण। आज हमें संत का सान्निध्य आशीर्वाद मिल रहा है, तो हमारा कार्य जरूर सफल होगा। हमें ताक बनाने के लिये दो मौके मिल रहे हैं - एक 11 दिसंबर को रामलीला मैदान पर रैली और उसके बाद 18 दिसंबर को लालकिला मैदान पर एकत्रित होकर जैन समाज की एकता का प्रदर्शन करना है। हम अपनी आवाज, गुरुओं की प्रतिष्ठा बनाकर रखने के लिये 18 दिसंबर का दिवस हमें एकता प्रदर्शित करने का सौभाग्य मिला है। हमें स्वार्थ छोड़कर, अस्तित्व बनाना होगा। मंच, माइक, माला छोड़कर कार्य करना होगा। हमें मैदान में उतर जाना चाहिये, अपने चेहरे सड़कों पर दिखा देने चाहिये।

18 दिसंबर को मौका है, शक्ति परीक्षण का

प्रमोद जैन (मॉडल टाउन) : 18 दिसंबर को मौका मिला है, शक्ति परीक्षण का। सभी संत भी शिखरजी के लिये एकजुट हों। हमारा एक ही मुद्दा हो, 18 दिसंबर को शिखरजी को बचना है।

संजय जैन विश्व संगठन : यह समस्त जैन समाज का कार्य है। आज सरकार, समाज दोनों को जगाना है। यह आंदोलन है, यह तब तक चलेगा, जब तक यह पर्यटन संबंधी यह गजट रद्द नहीं किया जाता।

एक जन आंदोलन की जरूरत है

सारिका जैन (प्रवक्ता बीजेपी) : खाली बैठकों से कुछ नहीं होने वाला, जब तक जैन समाज हमारा हितैषी बनकर खड़ा नहीं होता है। हमें एक जन आंदोलन की जरूरत है। अहंकार की भावना दूर करके हमारा समाज एकजुट होकर चले।

जैन तिथि मासिक फ्लैक्स कलैंडर मंगायें, फोन करें - 9910690825

भक्त-भगवान मिलकर तीर्थ की रक्षा के लिये निकलते हैं, तो सफलता मिलेगी

- मुनि विजयेश सागर

मुनि श्री विजयेश सागरजी ने कहा कि एकता में शक्ति है। आज हम अपने मंदिरों को तो मानते हैं, लेकिन क्षेत्रों पर कम संख्या में जाते हैं तो अन्य समुदायों की नजरें उन पर हैं। आज यहां हर मंदिर का अध्यक्ष बैठा है। हम सभी प्रण लें कि हमें श्री सम्मेद शिखरजी को बचाना है। आज संत खड़ा है तीर्थ की रक्षा के लिये। विहर्ष सागरजी ने ऐलान कर दिया है - हमें एक होना है, सम्मेद शिखर बचाना है। आज हमारे जुलूसों में बैंडबाजे वाले होते हैं, लेकिन समाज गायब होती है। 18 दिसम्बर को लालकिले पर समस्त जैन समाज को पहुंचना होगा। हम छोटे-छोटे कार्यक्रम कर लेते हैं, लेकिन कोई विशाल समूह एकत्रित नहीं होते। हमें अपनी आवाज बुलंद करनी है। संत की आवाज के साथ एक सुर में बोलेंगे। सुभाष चंद बोस ने कहा था तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा और विहर्ष सागर का नारा है - आप हमें 5 घंटें दे दो, हम आपको शिखरजी दिला देंगे। भक्त-भगवान मिलकर तीर्थ की रक्षा के लिये निकलते हैं तो सफलता मिलेगी। भक्त-भगवान की माया, दोनों विहर्ष के अंदर है समता।

श्री सम्मेद शिखरजी सिद्धक्षेत्र की महिमा

मुक्तक

सम्मेद शिखर की रक्षा में हम, सबकुछ अर्पण कर देंगे।
सम्मेद शिखर के लिए तो अपने प्राण न्यौछावर कर देंगे।।
अरहंतों की वाणी को हमें, जन-जन तक पहुंचाना है।
हैं अधिकार हमारा इस पर, दुनिया को दिखलाना है।।
इस क्षेत्र का कण-कण पावन, इसकी महिमा न्यारी है।
सम्मेद शिखरजी सिद्धक्षेत्र को, शत्-शत् नमन हमारी है।।
जैन धर्म का डंका अब, मिलकर हमें बजाना है।
सम्मेद शिखर की रक्षा करके, जीवन सफल बनाना है।।
जय जय जय श्री सम्मेद शिखर की, ये तीर्थ बड़ा महान है।
नमन इसे शत बार हमारा, ये जैन धर्म की शान है।।

नमनकर्ता : कवि हृदय मुनि भक्त
मोहनलाल जैन (बावली वाले)
० श्रीमती स्नेहलता जैन दिल्ली

साधु की आवाज है, लालकिला जरूर आना है

सुनीता काला : जब भी साधु आवाज उठायें, तो सभी महिलाओं को समाज के साथ खड़े होना है। कोई समाज का, कोई घर का नेता है, नेता का कार्य है पब्लिक को जोड़ना। सभी की ड्यूटी बनती है कि संत के आदेश पर सभी नेता, सभी लोग अपने घरों की महिलाओं को 18 दिस. को लालकिला जरूर आएंगे।

तन-मन-धन से समर्पित होना चाहिए हर मंदिर से 10-10 बसें आनी चाहिए

पवन गोधा (निदेशक आदिनाथ चैनल) : पीछे की बात छोड़ो, अब जो समय है उसमें कर लो। हमें आगे क्या करना है, इस पर विचार करें। हमारे मंदिरों के मंत्री-संतरी आज किसी के पास समय नहीं है, सब केवल हाजिरी लगाते हैं। आज जो करता है, उसे करने नहीं देते हैं। दिल्ली में लोग ये देखते हैं कब माइक -मंच मिलेगा। मन में जब तक यह नहीं आएगा कि इस कार्य के लिये तन-मन-धन से समर्पित होना चाहिए। एक-एक मंदिर से 10-10 बसें आनी चाहिए। मंदिर की एफडी कब काम आएगी। एक आदमी की ताकत नहीं हो सकता, लेकिन सब करेंगे, सब एकसाथ चलेंगे।

सुनंदा जी (अ. भा.युवा संगठन दिल्ली प्रदेश): शिखरजी हमारा है और यह शाश्वत अवस्था है। सरकार ने इसे नासमझी में छेड़ा है, तो जैसे मयूर पंख वाला विवाद समाने आया था, वह भी जीता था, यह भी जीतेंगे।

प्रवीन जैन (भारतीय जैन मिलन) : गर्व से कहो हम जैन हैं। कमेटी व्हाट्अप पर शिखरजी संबंधी एक मैटर प्रधानमंत्री को निवेदन करते हुए भेजें जो हर जैन प्रधानमंत्री को भेज कर अपनी अपील करे।

शरद कासलीवाल (रोहिणी) : हमें तीर्थ को बचाने के संकल्प में सबको इकट्ठा होना है।

अतुल जैन (बड़ौत) : हम सबने सामूहिक रूप से निर्णय लिया है कि 18 दिसंबर को लालकिला पहुंचना है। बड़ा खेद का विषय है कि समाज के श्रेष्ठियों के बीच साधु को इतना प्रयास करना पड़ रहा है। संत की तो मात्र प्रेरणा होती है। यह हम सबका कर्तव्य है, दिल्ली की कमेटियां अपने यहां से बसों की व्यवस्था करें। दिल्ली जैन समाज को जागना होगा, बड़ौत तो पहुंचेगा ही।

प्रद्युम्न जैन (धारुहेड़ा): जितनी यथाशक्ति है, मंत्रियों, आईएएस अधिकारियों से संपर्क करूंगा। सम्मेदशिखरजी हमें जान से भी प्यारा है।

माणिक चंद जैन (संरक्षक विवेक विहार): जो बीड़ा उठाया है, महाराज के नहीं, समाज के हित में है। बिना एकजुटता के काम नहीं होता है। किसान आंदोलन से यह बात हमें सीखनी चाहिए।

जीवन आशा हॉस्पिटल एवं पुनर्वास केंद्र दिव्यांगों को पिला रहा है अमृत घुट्टी

सान्ध्य महालक्ष्मी / 09 दिसंबर 2022

विश्व विकलांग दिवस 03 दिसंबर के शुभ अवसर पर परम पूज्य आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से संचालित जीवन आशा हॉस्पिटल एवं पुनर्वास केंद्र (मुरादनगर) में दिव्यांगों द्वारा खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक दिव्यांगों ने अपने प्रतिभाओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, बैडमिंटन, रेस रिले रेस, स्पून रेस आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, साथ ही दिव्यांगों द्वारा भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी प्रस्तुत की गई।

क्रिकेट में उ.प्र. राज्य की जूनियर, सीनियर टीम, राजस्थान टीम और जीवन आशा टीम इन चार टीमों ने भाग लिया, जिसमें जीवन आशा की टीम प्रथम स्थान पर रही बैडमिंटन में - मंशापूर्ण क्षेत्र की टीम, रेस में-कपिल देव (प्रथम), अकेंद्र, स्पून रेस- जयकुमार, मोहित पाल, रिले रेस-हरिओम, प्रिंस, हडल रेस- हरिओम, मोहित, प्रिंस ने विजय प्राप्त की, जिन्हें जीवन आशा परिवार द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में जीवन आशा परिवार, सौरभ सागर सेवा संस्थान के ट्रस्टी, प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ अनेक लोग बाहर से पधारे जिन्होंने जीवन आशा हॉस्पिटल के इस महान कार्य की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

उल्लेखनीय है कि जीवन आशा हॉस्पिटल एवं पुनर्वास केंद्र दिव्यांगों को सिर्फ कृत्रिम अंग ही प्रदान नहीं करते, बल्कि उन्हें जीवन जीने की राह दिखाते हैं एवं रोजगार भी दिलाते हैं। सक्षम 2022 के कार्यक्रम में अनेक दानवीरों ने दिव्यांगों के लिए दान की घोषणा भी की। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल स्वामी बतौर मुख्य अतिथि पधारे। साथ ही साथ पुनीत मुल्तानी, बबली जी, ज्योति जी भी उपस्थित थीं।

सक्षम 2022

कार्यक्रम में सीए अशोक जैन, जम्बू प्रसाद जैन, संजय जैन, अजय जैन, रिंकू जैन, वी के जैन, प्रदीप जैन, संदीप शास्त्री, धर्मेंद्र जैन, वीरेश जैन, सजल, अमित, सचिन, लकी, वर्धमान जैन, सौरभ, नितीश, संदीप, डॉक्टर सक्सेना, निधि शर्मा आदि समस्त स्टॉफ का सहयोग रहा।

निहारिका : तीन चरणों में हुआ कम्बल वितरण

सान्ध्य महालक्ष्मी / 09 दिसंबर 2022

श्री सम्मेदशिखरजी। श्री दिगम्बर जैन शाश्वत तीर्थराज सम्मेदशिखर ट्रस्ट के निहारिका में श्री जगदीश जैन-पानीपत के सौजन्य से महामंत्री राजकुमार जैन अजमेरा-हजारीबाग के निर्देशन पर पीरटांड के दिव्यांगों, वृद्धों विधवा महिलाओं के बीच कम्बल वितरण किया गया, यह वितरण ट्रस्ट के द्वारा तय कार्यक्रम के तीसरे चरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें 223 से अधिक जरूरतमंद दिव्यांगों, वृद्धों को कम्बल प्रदत्त किया गया, वहीं प्रथम चरण 200 से अधिक डोली मजदूरों को और दूसरे चरण में 250 से अधिक आदिवासी वृद्धों को कम्बल दिया गया था। कार्यक्रम का शुभारम्भ ट्रस्ट के महामंत्री श्री राजकुमार जैन अजमेरा, पीरटांड प्रखण्ड प्रमुख श्रीमती सविता टुडु, अंचलाधिकारी श्री विनयप्रताप तिग्गा, मधुबन थाना प्रभारी श्री मृत्यंजय सिंह, मधुबन पंचायत के उपमुखिया श्री झरीलाल महतो, मधुबन पंचायत समिति चम्पा देवी, लैयका तुरी, डॉ. सौरभ जैन-दिल्ली व इस क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों के बीच के बीच हुआ। ट्रस्ट के प्रबंधक श्री संजीव जैन, गंगाधर महतो, ए.सइदी संयुक्त रूप से उपस्थित थे।

रामप्रस्था ग्रीन, सेक्टर-4 वैशाली

श्री पारसधाम जैन मंदिर रथयात्रा

गाजियाबाद। प्लाट नं. 283 आंचल स्वास्थ्य केन्द्र के ऊपर, सेक्टर 4 रामप्रस्था ग्रीन, वैशाली में स्थित श्री पारसधान जैन मंदिर पंचकल्याणक की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर भव्य रथयात्रा महोत्सव रविवार 11 दिसंबर को प्रातः 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। इन्द्रों के चयन के लिये ड्रा निकाला जाएगा जिसके लिये कूपन राशि रुपये 1100 रखी गई है। रथयात्रा प्रबंधक अरुण कुमार जैन, सचिन जैन एवं अरुण कुमार जैन हैं।

ज्योतिष जगत सुख की बात, रवि जैन गुरुजी के साथ

1. सीमा जैन, उस्मानपुर दिल्ली प्र.: मेरी बेटी 6 साल से कनाडा में नौकरी कर रही है, मगर हम उसकी शादी की बात करते हैं, तो उसे क्रोध आ जाता है, क्या करें? **उ.:** बिटिया की कुंडली में चल रही गुरु व राहु की दशा इसका मुख्य कारण है। श्री शान्तिनाथ जी का चालीसा पढ़े लाभ होगा। **2. हरमल चन्द जैन, कोटा (राज.) प्र.:** मेरी शादी को 8 वर्ष हो चुके हैं, मगर पिछले तीन साल से मेरी पत्नी को क्रोध आने लगा है, क्या कारण है।? **उ.:** अपनी पत्नी के साथ श्री वासुपूज्य जी का चालीसा पढ़े और मंगलवार को लाल मसूर की दाल दान करें, मोर पंख कमरे में रखें। **3. उपासना, दिल्ली प्र.:** मेरी आंखों की रोशनी लगातार कम हो रही है, उम्र मात्र 45 वर्ष है, क्या करना चाहिये? **उ.:** कुंडली के द्वितीय और बारहवें घर में पाप ग्रहों के कारण ऐसा होता है। आप मुंगा रत्न मंगलवार को धारण करें, अवश्य लाभ होगा। **4. विजेन्द्र जैन, हाथरस प्र.:** मेरे बेटे की कुंडली में गंडमूल है, कैसे शान्त करायें? **उ.:** 27 दिनों में हर नक्षत्र आ जाता है। जो गंडमूल नक्षत्र हो उसी दिन उसकी पूजा विधान करके उसकी शान्ति करायी जाती है। **5. जीया लाल, पीलीभीत प्र.:** मेरा व्यापार काफी समय से ठीक नहीं चल रहा है। काफी प्रयास किये, मगर कोई लाभ नहीं होता? **उ.:** आपकी कुंडली में चल रही 7 साल की केतु की दशा के कारण ऐसा है। श्री पार्श्वनाथ स्तोत्र पढ़े रोजाना हल्की आवाज में। **6. देव प्रभा, हरिद्वार प्र.:** मेरी बेटी का पेट हमेशा खराब रहता है उपाय भी काफी किये, मगर कोई फायदा नहीं है। कोई नग भी बतायें? **उ.:** श्री भक्तामरजी का 45 वां काव्य यंत्र के सामने 45 बार पढ़ें, साथ ही ओपल 8 से 9 रत्ती के चांदी में मढ़वा कर शुक्रवार को गले में धारण करायें। **7. श्रीकान्त जैन, सतना (म. प्र) प्र.:** व्यापार में लगातार नुकसान का क्या कारण है। अब मैं कपड़े का व्यापार कर रहा हूं। क्या मेरे लिये ठीक है? **उ.:** श्री भक्तामर जी का 28वां श्लोक रोजाना व्यापार के स्थान पर 10 बार पढ़े। अवश्य लाभ होगा। कपड़े का व्यापार आपके लिये ठीक है। **8. कुन्दन अग्रवाल आरा (बिहार) प्र.:** मेरे पिताजी की उम्र 64 वर्ष है, मगर उनका स्वास्थ ठीक नहीं रहता। उन्हें सांस की परेशानी है, क्या उपाय करें? **उ.:** अपने पिताजी के गले में मून स्टोन का चांदी का लॉकिट सोमवार को धारण करायें, साथ ही शाम के समय श्री चन्द्रप्रभु भगवान का चालीसा सुनायें।

सम्पर्क करें : पारस चैनल फेम, रवि जैन गुरुजी, विख्यात जैन ज्योतिषाचार्य एवं हस्त रेखा विशेषज्ञ, ज्योतिष एवं वास्तु शोध केन्द्र 1/6991, शिवाजी पार्क गोल चक्कर, शाहदरा।

सम्पर्क करें : पारस चैनल फेम, रवि जैन गुरुजी, विख्यात जैन ज्योतिषाचार्य एवं हस्त रेखा विशेषज्ञ, ज्योतिष एवं वास्तु शोध केन्द्र 1/6991, शिवाजी पार्क गोल चक्कर, शाहदरा।

चैनल महालक्ष्मी
अलग अंदाज में

चैनल महालक्ष्मी में बेहद कम दामों पर विज्ञापन कराने का सुनहरी अवसर

चैनल महालक्ष्मी

40% छूट

यह स्कीम 31 दिसंबर 2022 तक लागू। ये छूट आप इस माह बुक कराकर लाभ अगले वर्ष 2023 तक ले सकते हैं।

देशभर में विख्यात, जैन समाज का नं. 1 यू-ट्यूब चैनल में कार्यक्रमों की अग्रिम सूचना बॉटम लाइनर एड में दीजिए और समग्र जैन समाज को अपना संदेश पहुंचाइये। प्रतिदिन प्रातः 8 बजे एवं रात्रि 8 बजे - दो एपिसोड रिलीज किये जाते हैं। पूरे माह, 15 दिन, 7 दिन, 3 दिन एवं एक दिन के लिये उपलब्ध (शब्द संख्या 25 तक) वीडियो मैसेज एड 1 या 2 मिनट का। 31 दिसंबर 2022 तक बुक कराने पर 40 प्रतिशत छूट, शीघ्र संपर्क करें:

9910690825

दिगम्बर जैन महासमिति
केन्द्रांचल एवं इकाई चुनाव के लिये नानक चंद जैन को बनाया चुनाव अधिकारी

सान्ध्य महालक्ष्मी / 09 दिसंबर 2022

नई दिल्ली। दिगम्बर जैन महासमिति केन्द्रांचल की बैठक 02 दिसंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक जैन बड़जात्या इन्दौर की अध्यक्षता में राजा बाजार, कनाट प्लेस में सानन्द सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम बैठक में यमुनापार दिगम्बर जैन समाज दिल्ली के

प्रवक्ता श्री बिजेन्द्र कुमार जैन ने मंगलाचरण कर महासमिति के विषय में बताते हुए कहा कि महासमिति समन्वय, सदभावना और संगठन के रूप में स्थापित हुई थी जिसे जैन समाज की संसद के रूप में माना जाता है, जिसमें कुछ वर्षों से शिथिलता आ गई है, उसे दूर करने के प्रयास हमें सभी को करने चाहिये।

मुख्य अतिथि श्री दीपक जैन गुरुग्राम ने सभी राष्ट्रीय संस्थाओ के दिल्ली में एक जगह बड़े आफिस बनाने की बता कही, जिससे सभी एक जगह इकट्ठे होकर जैन समाज के तीर्थों पर हो रहे अतिक्रमण पर चर्चा करके सरकार के प्रतिनिधियों को वहां पर बुलाया जा सके और अपनी मांग को रखा जा सके। महासमिति केन्द्रांचल के अध्यक्ष श्री राकेश जैन भोगल ने कहा कि दो वर्षों से कोरोना के कारण महासमिति सहित कोई भी संस्था कोई कार्य नहीं कर पाई और संस्था के चुनाव भी आ गये हैं जिसके लिये श्री नानक चंद जैन अशोक विहार को सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी बनाया जाता है, जो इकाई संभाग एवं केन्द्रांचल के चुनाव सम्पन्न कराएंगे। सभी ने श्री नानकचन्द जी का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

बैठक में सर्वश्री नानक चन्द जैन, सतेन्द्र कुमार जैन, स्वराज जैन, राजेश जैन, सुदर्शन जैन, अजय जैन, सुभाष सेठी, मुकेश जैन सहित अनेक लोगों ने अपने अमूल्य विचार प्रेषित किये।

सभा के अध्यक्ष श्री अशोक जैन बड़जात्या ने कहा कि श्री सम्मेद शिखरजी, श्री गिरनारजी सहित जिन तीर्थों पर भी विवाद चल रहा है, उन पर तीर्थक्षेत्र कमेटी, महासभा और महासमिति समन्वित रूप से कार्य कर रही है और जल्द ही हम आप सभी के प्रयास से निश्चित सफलता को प्राप्त करेंगे। उन्होंने महासमिति के संगठन को मजबूत करने हेतु भी सभी का आह्वान किया। सभा का कुशल संचालन महासमिति के महामंत्री श्री धीरज जैन कासलीवाल ने किया। *(बिजेन्द्र कु. जैन)*

आर्यिका श्री पद्मनन्दनी माताजी का 16वां संयम दिवस

अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनन्दी जी गुरुदेव की परम प्रभाविका शिष्या आर्यिका श्री पद्मनन्दनी माताजी का 16वां संयम दिवस 05 दिसंबर को पाण्डुकशिला दिगम्बर जैन मंदिर, गौतमपुरी दिल्ली में सानंद समपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन धर्म प्रभावना संस्था द्वारा किया गया जिसमें समस्त गौतमपुरी जैन समाज, चन्द्र प्रभु वीर सेवा मंडल एवं यमुना पार जैन समाज का विशेष योगदान रहा।

तीर्थों की रक्षा करें

सान्ध्य महालक्ष्मी/ 09 दिसंबर 2022

ध्यानतीर्थ (वसंतकुंज)। 04 दिसंबर को आचार्य श्री आनन्द सागरजी मौनप्रिय के सान्निध्य में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, शांति विधान व भक्तामर पाठ तथा 48 दीपकों द्वारा महार्चना का आयोजन किया गया। इसके पुण्यार्जक श्री भारत-बबीता जैन (झांझरी) रहे। आचार्य श्री ने कहा कि तीर्थों पर किये गये विधान पुण्य का बन्ध करते हैं। इससे मिथ्यात्व का क्षय व सम्यक्त्व की प्राप्ति होती है। विधान अशुभों का क्षय, आत्म शांति का दाता व भव्य जीवों को मुक्ति प्रदाता है। असाता कर्मों के उदय से आने वाले दुखों में विधान कल्याणकारी व अध्यात्म की ओर अभिमुख करने वाला है। इससे आत्मिक शांति व वैचारिक शांति का संवदेन होता है। आचार्य श्री ने कहा कि विधान जन-जन की आस्था का केन्द्र है, जिससे भक्ति की त्रिवेणी प्रवाहित होती है। **- आ. आनंद सागर मौनप्रिय**

सच्ची शक्ति तो आत्मा में है। मानव उसे बाहर खोजता है। सम्मेद शिखरजी का कण-कण पवित्र है, इसकी भाव सहित बन्दना से जन्म-मरण से मुक्ति मिलती है। इसकी पवित्रता बनाये रखना प्रत्येक श्रावक का कर्तव्य है। इनकी सुरक्षा, विकास, रख-रखाव का उत्तरदायित्व प्रत्येक श्रावक का काम है। भगवान महावीर 2500वां निर्वाण महोत्सव, 2600वां जन्म कल्याणक व संल्लेखना पर आयी एकजुटता को बनाये रखना है व तीर्थों की रक्षा में तन-मन-धन से समर्पित रहना है। श्री नमन-मानसी जैन को आचार्य श्री ने आशीर्वाद प्रदान किया।

– पवन कुमार जैन, रोहिणी से.-16

जैन एकता मंच की खेकड़ा बैठक

जैन एकता मंच खेकड़ा की एक बैठक 04 दिसंबर को भगवान आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्री सतीश चंद जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। संचालन बागपत जिला मंत्री श्रीमती रेखा जैन ने किया। 'गर्व से कहो हम जैन हैं' - निबंध प्रतियोगिता के पारितोषिक वितरित किए गए जिसमें प्रथम स्थान दृष्टि जैन, द्वितीय स्थान अक्षिण जैन तथा तृतीय स्थान मान्या जैन पारस जैन ने प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार सभी बच्चों को दिए गए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री प्रमोद जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश जैन, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता काला जैन तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री त्रिलोक जैन, उ.प्र. मंत्री राकेश कुमार जैन डीएलएफ गाजियाबाद, उ.प्र. अध्यक्ष श्री जनेश्वर दयाल जैन, संदीप जैन, श्रीमती रीना जैन अधिकारी रूप में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त बागपत जिला अध्यक्ष अंकुर जैन, बागपत महामंत्री श्रीमती रेखा जैन, खेकड़ा अध्यक्ष नितिन जैन, महामंत्री शरद जैन, कोषाध्यक्ष अंकुर जैन, महामंत्री श्रीमती दीपा जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती बबीता जैन, उ.प्र. अध्यक्ष श्रीमती कमलेश जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

आचार्य श्री विनीत सागर जी ने दी क्षुल्लक दीक्षा

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर नगर में आचार्य श्री 108 विनीत सागर जी महाराज जी के कर कमलों द्वारा दीक्षा प्रदान की गई। दीक्षार्थी वीरेंद्र भैया निवासी आगरा का नाम क्षुल्लक श्री अनंत सागरजी दिया गया। पिच्छी - कमंडल सकल दिगंबर जैन समाज नगर की ओर से प्रदान किया गया। शास्त्र भेंट सकल दिगंबर जैन समाज कठूमर के द्वारा एवं वस्त्र भेंट सकल दिगंबर जैन समाज सीकरी महिला मंडल द्वारा किया गया।

स्काउटिंग से देशभक्ति, ठोस नैतिक मूल्य, साहस, चरित्र निर्माण, आत्म-निर्भरता और सामुदायिक जागरूकता की प्रेरणा

महावीर सी. मॉ. स्कूल : स्काउट्स एंड गाइड्स कैंप

एक अच्छा नागरिक बनने के लिए, अपने आप को दूसरे लोगों की जगह पर रखने और बड़ी तस्वीर देखने में सक्षम होना महत्वपूर्ण है। यदि आप जो कुछ भी देखते हैं वह आपकी अपनी पहचान में निहित है, तो यह मुश्किल या असंभव हो जाता है।

महावीर सीनियर मॉडल स्कूल में छठी से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय स्काउट एंड गाइड कैंप का आयोजन 1 से 3 दिसंबर तक किया गया। यह नई शिक्षा नीति के दिशा-निर्देशों और 'बेगलेस डे' के अनुपालन में है - सीबीएसई द्वारा प्रचारित एक अनूठा और प्रगतिशील विचार।

प्रधानाचार्य श्रीमती रुचिका सुखीजा ने ध्वजारोहण के पश्चात् छात्रों को प्रेरित किया।

स्काउट्स एंड गाइड्स की टीम ने विद्यार्थियों को समूहों में बांटकर उन्हें अपने साथ जोड़ा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए कुछ टास्क दिए। शिविर में 4 चीजों पर विशेष ध्यान दिया गया - 1. चरित्र निर्माण 2. स्वास्थ्य संबंधित आदतों का निर्माण 3. हस्तकला में प्रशिक्षण व उपयोगी कौशल प्राप्त करना 4. कुशलतापूर्वक सेवा की उचित भावना का विकास करना।

(महिमा अवस्थी)

श्री सम्मेद शिखरजी त्रिकाल चौबीस गणधर जिनालय में अष्टाह्निका विधान के दृश्य

श्री सम्मेद शिखरजी त्रिकाल चौबीस गणधर जिनालय में जिनधर्म गौरव कंटकोकिला युगल क्षुल्लिका 105 श्री पूजा भूषण भक्ति भूषण माताजी के पावन सान्निध्य में कार्तिक माह की अष्टाह्निका में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया गया जिसमें अनेक भक्तों ने भाग लेकर पुण्यार्जन किया। माताजी के आशीर्वाद से ही शिखरजी में यह जिनालय एवं शनि ग्रहारिष्ट निवारक श्री मुनिसुव्रतनाथ जिनालय तैयार हो सका है। माताजी जिन धर्म प्रभावना के अद्भुत कार्य करने में संलग्न है। अब 25 दिसंबर से 01 जनवरी तक श्री कल्पद्रुम 24 समवशरण महामंडल विधान होने जा रहा है।

लाइसेंस पोस्ट DL (E) - 20/5119/2021-23
आर.एन.आई. नं. 59266/1994
जैन समाज का निर्भीक समाचार-पत्र

अध्यात्म के बिना विज्ञान अधूरा

सान्ध्य महालक्ष्मी / 09 दिसंबर 2022

डॉक्टरों, वैज्ञानिकों व विशेषज्ञ विद्वानों ने एक स्वर से कहा कि यदि हमें आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ रखना है, तो पशु-पक्षियों की हत्या को रोकना होगा।

नई दिल्ली। एनिमल वैलफेयर सोसायटी आफ इंडिया के डॉक्टर्स फोरम एवं ज्ञानसागर साइंटिफिक फाउंडेशन के तत्वावधान में एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, कनाट प्लेस में अध्यात्म विद्या पर दो दिवसीय (3-4 दिसबंर) आयोजित विश्व सम्मेलन में कई धर्मों के संतों ने कहा कि अध्यात्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं। दोनों का लक्ष्य सत्य की खोज है। जैनाचार्य अनेकांत सागरजी व आचार्य लोकेश मुनिजी, बौद्ध धर्म के येशी फुंत्सोक, इस्लाम के इमाम उमर इलयासी, सिख धर्म के एच एस हंसपालजी, ब्रह्माकुमारी से आशा दीदी, यहूदी धर्म के इजेकल मालेकरजी, आर्य समाज के विजय शर्मा आदि ने एक स्वर में कहा कि हर आत्मा परमात्मा बन सकती है, उसे जगाना है। राष्ट्र सर्वोपरि है।

संस्था के अध्यक्ष प्रख्यात न्यूरो सर्जन डॉ. डीसी जैन ने कहा कि हमें पशु-पक्षियों के साथ भी सामंजस्य करना होगा, अनइथिकल ट्रेड से बचना होगा, वन हैल्थ एप्रोच का प्रबंध करना होगा।

जैव विविधता पर बोलते हुए प्रसिद्ध मोटीवेटर अशोक अग्रवाल ने कहा कि हमें पृथ्वी के नीचे और ऊपर के सभी जीवों के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य को संरक्षित करना होगा, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रह सकेगा, तभी हम आने वाली पीढ़ियों के लिए जवाबदेही से बच सकेंगे।

पतंजलि हरिद्वार के डॉ. रोमेश शर्मा ने विलुप्त होते पशु-पक्षियों के संरक्षण, इसरो के डॉ. राजमल जैन ने अहिंसा की अवधारणा, डॉ. वीरसागर ने आत्मा के विज्ञान, प्रो. अनेकांत जैन ने स्याद्वाद, प्रो. फूलचंद जैन ने अहिंसक जीवन शैली, मोटीवेटर अशोक अग्रवाल ने जैव विविधता, डॉ. आकृति जैन ने जैनेटिक डिसीज, डॉ. सुदीप जैन ने प्रलोभन के प्रबंधन पर शोधपरक विचार प्रकट किए। ब्रिटेन से प्रो.पीटर फ्लूगेल ने ऑनलाइन शुभकामनाएं दी।

सम्मेलन के दूसरे दिन अनेक डॉक्टरों, वैज्ञानिकों व विशेषज्ञ विद्वानों ने

एक स्वर से कहा कि यदि हमें आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ रखना है, तो पशु-पक्षियों की हत्या को रोकना होगा।

डॉ. डीसी जैन ने कहा कि बंदरों का आतंक रोकने के लिए हमें उनके लिए तितली पार्क की तरह पार्क बनाने होंगे। संस्था इस पर कार्य कर रही है। उन्होंने अल्कोहल व मीट से बचने की प्रेरणा दी। कई डाक्टरों ने अपने शोध में कहा कि बढ़ते पशु- वध के कारण ही भूकंप व सूनामी जैसी आपदा आती हैं। डॉ. केएम गंगवाल-पूणे व डा. चिरंजीलाल बगडा-कोलकाता ने बताया कि वे अब तक देवी-देवताओं के सामने बलि होने वाले 12 लाख पशु-पक्षियों को बचा चुके हैं। डॉ. केसी जैन ने कैटल हास्टल की योजना बताते हुए कहा कि गुजरात में इसकी शुरूआत हो चुकी है।

डॉ. अभिषेक गर्ग ने गीता का उदाहरण देते हुए नानकम्यूनिकेबल डिसीज से बचने को जीवन शैली बदलने की प्रेरणा दी। डॉ. एसी धारीवाल ने कहा कि कोविड-19 की तरह भविष्य में भी एनिमल से होने वाली जैनेटिक बीमारियों का बड़ा खतरा है। डॉ. नीलम जैन ने अनइथिकल ट्रेड रोकने, डॉ. चक्रेश जैन ने होलीस्टिक लाइफ अपनाने, डॉ. प्राची जैन ने कैंसर से बचने, डॉ. संध्या गुप्ता ने तम्बाकू से बचने, डॉ. राहुल ने वृक्षारोपण करने व डॉ. एसके पोखरन, डॉ. अरिहंत, आदीश जैन, डॉ. राजेश जैन, साध्वी संगीता प्रज्ञा, डॉ. प्रियदर्शन ने आत्मा के उत्थान पर जोर दिया। डॉ. एनएल कछारा ने विज्ञान को चुनौती पर शोध प्रस्तुत किया। जीटो अध्यक्ष एके श्रीमाल, डॉ. जीवराज जैन, डॉ. दीपक शुक्ला, डॉ.अभिनंदन कुमार जैन, मनोज जैन ने भी विचार व्यक्त किए। डॉ. एच एस जैन ने आभार व्यक्त किया। आदीश जैन, स्वराज जैन, रमेश जैन (नवभारत टाइम्स), प्रदीप जैन सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शहीद बिशन सिंह मेमोरियल स्कूल के बच्चों ने पशु-पक्षी हत्या पर प्रेरक नाटिका प्रस्तुत की। डॉ. इंदु जैन ने वर्ल्ड पीस प्रेयर प्रस्तुत की।

- रमेश जैन एडवोकेट नई दिल्ली।

आचार्य विद्यानन्द तपोवन में 24 जिनबिम्ब नवनिर्मित शिखर - मानस्तम्भ हुए प्रतिष्ठित

प्रवीन कु. जैन / 09 दिसंबर 2022

कुन्द कुन्द भारती, नई दिल्ली में 24 जिनबिम्ब व नवनिर्मित शिखर एवं उत्तुंग मानस्तम्भ का भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव परम पूज्य सिद्धांत चक्रवर्ती श्वेतपिच्छाचार्य श्री 108 विद्यानंद जी मुनिराज के निर्यापक पट्टाचार्य प.पू. आचार्य 108 श्री श्रुतसागरजी मुनिराज के सान्निध्य में 02 दिसंबर से भगवान ऋषभदेव जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ हुए। प्रतिष्ठाचार्य वाणीभूषण पं. श्री नरेश जैन कांसल हस्तिनापुर के निर्देशन एवं सहप्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र. पुष्पेन्द्र जैन शास्त्री के सहयोग से पंचकल्याणक भक्तिभाव से समापन की ओर है। आकर्षक मंच श्री बबलू जैन कटनी वाले ने बनाया है। संगीतकार सचिन जैन भोपाल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय तपोवन आर्ट्स ग्रुप सौरभ जैन ललितपुर का सुंदर संयोजन चल रहा है। माता-पिता अशोक कुमार-शशि जैन (विकासपुरी), सौधर्म इन्द्र संजीव-दीपाली जैन (न्यू फ्रैण्ड्स कॉलोनी) समेत सभी पात्र पंचल्याणक में विशुद्धि की ओर अग्रसर हो आध्यात्म आनंद ले रहे हैं। सान्ध्य महालक्ष्मी एवं चैनल महालक्ष्मी की टीम को जन्माभिषेक दिवस (04 दिसंबर) पर भगवान आदिनाथ के जन्म के समय इन्द्र के सिंहासन कम्पायमन होने का दृश्य देखने का अवसर प्राप्त हुआ। जैसे ही तीर्थंकर बालक का जन्म होता है पूरी अयोध्या नगरी में जय-जयकार के उद्घोष और वाद्य बजने लगते हैं। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद प्रत्येक सुश्रावक में अद्भुत उत्साह का संचार हो रहा था, बरबस ही सबके मुख से प्रभु के जयकारे के उद्घोष निकल रहे थे। सान्ध्य महालक्ष्मी टीम ने आचार्य श्री श्रुतसागर जी का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

आचार्य श्री श्रुत सागरजी जन्मकल्याणक पर कहा कि आपमें महान उत्साह है, इसलिये यहां उत्सव मना रहे हैं। बच्चे-युवा सभी इन्द्र बने हैं, उनमें धर्म के संस्कार पड़ रहे हैं, उन सभी को मंगल आशीर्वाद है। जैसे ही तीनों लोक के नाथ का जन्म होता है, उसके शांत परमाणु तीनों लोकों को प्रकाशित कर देते हैं। एक क्षण को तो नारकीय जीवों को भी सुख का अनुभव होने लगता है। ऐसे तीर्थंकर के बालक का जन्माभिषेक सौधर्म इन्द्र 1008 कलशों से करता है। विद्वान श्री जयकुमार उपाध्ये एवं वीर सागरजी जैन से भी मुलाकात हुई। पंचकल्याणक के सभी कार्य अनुशासन एवं समय पर चल रहे थे, मंच पर कुंद कुंद भारती के ट्रस्टीगण अध्यक्ष सतीश चन्द जैन एससीजे, मंत्री अनिल पारसदास जैन, कोषाध्यक्ष विवेक जैन, संयोजक राजेन्द्र जैन संघपति आदि महानुभाव व्यवस्था बनाने में सहयोग दे रहे थे। एक बात और पंचकल्याणक में दिल्ली की अनेक समाजों का सहयोग मिला जिसमें प्रमुख थे कृष्णानगर, न्यू रोहतक रोड, देवनगर करोलबाग, शालीमार बाग, मयूर विहार, सूर्य नगर, नजफगढ़, ऋषभ विहार, ग्रीन पार्क, भोगल, शालीमार बाग, साहिबाबाद, बाहुबली एन्क्लेव, सुन्दर विहार, उत्तम नगर, विकासपुरी, छोटा बाजार, महावीर एन्क्लेव, जनकपुरी, पश्चिम विहार, इन्द्रप्रस्थ, वसुन्धरा, उत्तम नगर आदि थे। 05 दिसंबर को संसार से संन्यास की ओर दीक्षा कल्याणक, 06 दिसंबर को ज्ञान कल्याणक पर मुनिराज आदिनाथ का प्रथम आहार, प्राण प्रतिष्ठा, सूरिमंत्र, केवल ज्ञानोत्पत्ति समवशरण रचना में गणधर के रूप में पूज्य आचार्य श्री श्रुतसागरजी के उद्बोधन एवं 07 दिसंबर को मोक्ष कल्याणक की क्रियाओं के साथ नवीन वेदी पर जिनबिम्ब स्थापित हुए। कलशारोहण, ध्वजारोहण हवन के साथ पंचकल्याणक हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुए।

'शिखरजी पवित्र क्षेत्र घोषित हो'

शिखरजी को पवित्र क्षेत्र घोषित कराने के लिये देश में आवाजें उठनी शुरू हो गई है, जो धीरे-धीरे बढ़ा रूप ले रहा है। पहले जंतर-मंतर पर धरना, अब 11 दिसंबर को रामलीला मैदान में रैली तथा उसके बाद मुनि श्री विहर्ष सागरजी ससंघ के सान्निध्य में देश के कौन-कौने से जैन लोग 18 दिसंबर को लालकिला मैदान पर जमा होंगे। सभी की एक ही आवाज है - पारसनाथ पर्वतराज पर सर्वोच्च जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर को 'पवित्र जैन तीर्थस्थल' घोषित कराने और पर्वत के पर्यावरण संरक्षण की मांग के लिए आंदोलन करना। विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि किसी साजिश के तहत शाश्वत जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर की पवित्रता व स्वतंत्र पहचान नष्ट करने हेतु झारखण्ड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा इको सेंसिटिव जोन में वन्य जीव अभ्यारण्य का एक भाग घोषित कर पर्यावरण पर्यटन व गैर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति देने वाली 02 अगस्त 2019 की अंतिम अधिसूचना मात्र 16 स्टोन क्रशर वालों के सुझाव पर जारी की गयी, क्योंकि अधिसूचना से पूर्व लोगों की आपत्ति या सुझाव हेतु न तो इसे दो अखबारों में प्रकाशित किया और न ही जैन समाज को सूचित किया गया। पर्वतराज पर कड़ी सुरक्षा न होने के कारण पेड़ो की अवैध कटाई, पत्थरों के अवैध खनन और महुआ के लिए लगाई जाने वाली आग से पर्यावरण, जीव जंतुओं के नुकसान के साथ प्रतिवर्ष निरंतर घटता वन क्षेत्र बारिश में पत्थरों के दरकने से पर्वत को खतरा पैदा कर रहा है। पर्वत पर जाने वाले यात्रियों का पंजीकरण, सामान जांच के लिए स्कैनर सहित पुलिस चेक पोस्ट व्यवस्था न होने के कारण पवित्र तीर्थ को पर्यटन स्थल बना दिया गया है। विश्व जैन संगठन 11 दिसम्बर 2022 को प्रातः 11 बजे से दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान सहित सम्पूर्ण भारत में अपनी मांगों के लिए रैली, सभाओं के माध्यम से समस्त जैन समाज और संस्थाओं के सहयोग से शांतिपूर्ण देशव्यापी विशाल आन्दोलन कर रहा है तथा 18 दिसंबर को मुनि श्री विहर्ष सागरजी के सान्निध्य में देश का समस्त जैन समाज महार्चना के साथ शिखरजी के लिये एकत्रित होगा।

बाहुबली एक्सप्रेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीन जैन द्वारा महालक्ष्मी प्रेस, 184 पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-92 द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित। सम्पादक- शरद कुमार जैन, फोन: 09910690825
JURISDICTION FOR ALL DISPUTES CONCERNING PUBLISHED MATTER, ETC. WILL BE IN COURTS/ FORUMS/ TRIBUNALS AT DELHI.